Roll No. ..... Total Pages : 7

4602

M.A. (Previous) Examination, 2015

RAJASTHANI SAHITYA
Paper–II
(Adhunik Kavya)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A (खण्ड–अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B (खण्ड–ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each), selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C (खण्ड–स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

(इकाई–I)

1. (क) 'वीरसतसई' इस नाम से हिन्दी में कितने ग्रंथ लिखे गए हैं, उनके लेखकों के नाम सहित बताइए।

(ख) 'वीर सतसई' का निर्माण किन परिस्थितियों में हुआ? उस समय देश की क्या स्थिति थी?

(इकाई–II)

(ग) श्री रेवतदान की कविताओं का मुख्य विषय क्या है? स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'माटी थनै बोलणौ पड़सी' कविता में कवि माटी से किसके विषय में बोलने को कहता है? संक्षिप्त उत्तर दें।

(इकाई–III)

(ङ) 'लीलटांस' की कविता 'डर !' का भावार्थ समझाइए।

(च) 'कुण देख्यो है
ईश्वर ?
ई सवाल रो जवाब
ओ तळाब
जको कोनी देख्यो समन्दर !'
इस कविता का शीर्षक बताते हुए अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–IV)

(छ) 'मानखो' किस विधा की रचना है? इसके कवि का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ज) 'मानखो' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए इस शीर्षक को स्पष्ट कीजिए?

(इकाई–V)

(झ) श्री रेवतदान के काव्य-संग्रह का नाम बताते हुए संग्रह का परिचय दीजिए।

(ञ) 'मानखो' में लेखक ने किस कथा को आधार बनाया है?

खण्ड–ब

(इकाई–I)

2. निम्नांकित दोहों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"पूजाणौ गज मोतियां, मीडाणौ कर मूझ।
बीजाणौ घण चामरां, है चूडौ बल तूझ।।
कर पुचकारे धण कहै, जाण धणी री जैत।
नीराजण बाधावियौ, हूं बलिहार कुमैत।।"

अथवा

3. निम्नलिखित दोहो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''भोला जाणौ भूलिया, बरसां आठां बाल।
एथ घराणै सीहणी कंवर जणै सो काल।।
बाला चाल म बीसरे, मो थण जहर समाण।
रीतमरंतां ढील की, ऊठ थियो घमसाण।।

(इकाई–II)

4. 'चेत मांनखा' कविता में कवि किस प्रकार किसानों को जागृत कर रहा है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'' आंख्यां रै ऊंडै समदर रा, मोत्यां रौ मोल घणौ मूंघौ
इमरत नै मद रै प्यालां सूं, आसूं रौ तोल घणौ मूंघौ
सोना-चांदी रा सिक्कां सूं, मैणत रौ कोल घणौ मूंघौ
यां लखपतियां री बोली सूं, मजदूरी बोल घणौ मूंघौ !''

(इकाई–III)

6. 'आदमी की कथनी और करनी में अन्तर होता है।' लीलटांस की कविताओं के उदाहरणों द्वारा इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

7. "आदमी रै लारै अदीठ भीड,

आत्मा रै लारै अदीठ परमातमा,

दीठ में आसी अै

जद कोई करसी लड़ाई'र का प्रेम ! "

उक्त पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(इकाई–IV)

8. 'मानखो' नामक कृति के माध्यम से कवि आधुनिक युग को क्या संदेश देना चाहता है?

अथवा

9. 'मानखो' खंड काव्य के पात्रों के चरित्र-चित्रण को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–V)

10. 'वीरसतसई' में कवि ने वीर नारी का जो चित्रण किया है, उसे सोदाहरण समाझाइए।

अथवा

11. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

'बस घरणी बस करो,
हिंयै रो हेमाचळ हालै है।
घणो झुळसग्यो नर पारथ रो
अब झळ नीं झालै है।।

म्हांरी हरि पर श्रद्धा, उण स्यूं
बडो ओळभो थांरो।।
अब गोमंद नै अरघ मिलैलो,
रण आंगण रणतां रो।।''

खण्ड–स

(इकाई–I)

12. 'वीरसतसई' के रचयिता कवि सूर्यमल्ल मिश्रण का परिचय देते हुए वीरसतसई पर टिप्पणी लिखिए।

(इकाई–II)

13. श्री रेवतदान की कविता में समय को व्यक्त करने की ताकत है। सोदाहरण समझाइए।

(इकाई–III)

14. 'लीलटांस' की कविताएँ आज के समाज का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत करती हैं। उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–IV)

15. 'मानखो' खंडकाव्य के कथानक को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–V)

16. 'माटी रौ हेलौ' कविता में व्यक्त श्री रेवतदान जी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।